ANNEXURE –C

DAV PUBLIC SCHOOLS, ODISHA ZONE

PERIODIC ASSESSMENT-II, 2023-24

SUBJECT- HINDI (B)

CLASS : IX

MARKING SCHEME

क्रम संख्या	उत्तर-संकेत	कुल अंक	पृष्ठ संख्या
1	(i) (ख) सुख-सुविधाएँ (ii) (ख) मनुष्य तेज़ी से प्रगति नहीं कर पाता (iii) (क) उसका प्रत्येक कार्य सरल हो गया है (iv) (घ) उपर्युक्त सभी (v) (घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है ।	(1×5=5)	
2.	(i) (ग) हिमनदों के पिघलने को (ii) (ख) वैश्विक ताप वृद्धि की (iii) (ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है । (iv) (ख) तापक्रम अनुकूल बना रहता है (v) (क) जलवायु परिवर्तन की समस्या	(1×5=5)	
3.	(i) (घ) शब्द (ii) (ग) पद	(1×2=2)	व्याकरण
4.	(i) (ख) संभ्रांत (ii) (घ) ऊँचाई (iii) (क) फूकना	(1×2=2) (कोई दो)	व्याकरण
5.	(i) (क) साहस + इक (ii) (ग) प्रगति (iii) (क) दुर् (iv) (ग) दुखी (v) (घ) अ	(1×4=4) (कोई चार)	व्याकरण
6.	(i) (क)फल+आदेश (ii) (घ) दंतौष्ठ (iii) (ख) यथा+इष्ट (iv) (ख) अयादि संधि	(1×3=3) (कोई तीन)	व्याकरण
7.	(i) (घ) अल्प विराम (ii) (ग) ii और iii (iii) (ग) - (iv) (घ) माँ ने कहा, “तुम कब आए?”	(1×3=3) (कोई तीन)	व्याकरण
8.	(i) (क) प्रश्नवाचक (ii) (ग) विस्मयादिबोधक (iii) (घ) विधानवाचक	(1×2=2) (कोई दो)	व्याकरण
9.	(i) (घ) प्रभु चंदन के समान महान हैं, तो भक्त उस चंदन से सुगंधित है । (ii) (ग) भक्त प्रभु रूपी बादल को देखकर मोर के समान प्रसन्नता से नाच उठता है । (iii) (क) भक्ति भाव	(1×5=5)	पृ-67

	(iv) (घ) ईश्वर और भक्त के संबंध को उजागर करना (v) (घ) ईश्वर का दास		
10	(i) (ख) अपनी संचित संपत्ति (ii) (घ) उपरोक्त सभी	(1×2=2)	पृ-79,99
11.	(i) (घ) अत्यधिक गति से बर्फीली हवाओं के चलने से (ii) (ख) तूफ़ान आने की संभावना बनी रहती है (iii) (ख) दक्षिण - पूर्वी पहाड़ी से (iv) (ख) एवरेस्ट के प्रति विचित्र रूप से आकर्षित होने के कारण (v) (क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है ।	(1×5=5)	पृ-16
12.	(i) (ख) धोबी को कपड़े देने की बात करना (ii) (ग) दक्षिणी भारत का	(1×2=2)	पृ-30,41
13.	(क) लेखक का अतिथि ऐसा व्यक्ति है जिसे दूसरे का घर बड़ा अच्छा लगता है । दूसरे के घर ठहरने पर एक व्यक्ति खर्चे जोड़ने की चिंता से मुक्त रहता है और अपनी सारी परेशानियों को भूलकर आतिथ्य का आनंद लेता है । लेकिन यह व्यावहारिक नहीं है क्योंकि इससे मेजबान के सुखी जीवन में खलल पड़ने लगता है । इसलिए लेखक का मानना है कि अपने घर की मधुरता का आनंद लेना चाहिए लेकिन किसी दूसरे के घर की सुख शांति में खलल नहीं डालना चाहिए । (ख) रामन् के समय में शोधकार्य करने के लिए परिस्थितियाँ बिल्कुल विपरीत थीं । वे सरकारी नौकरी करते थे, वे बहुत व्यस्त रहते थे । परन्तु फिर भी रामन् फुर्सत पाते ही इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस की प्रयोगशाला में काम करते । इस प्रयोगशाला में साधनों का अभाव था लेकिन रामन् इन काम चलाऊ उपकरणों से भी शोध कार्य करते रहे । ऐसे में अपनी इच्छाशक्ति के बलबूते पर अपना शोधकार्य करना आधुनिक हठयोग ही कहा जा सकता है । यह हठयोग विज्ञान से संबंधित था इसलिए आधुनिक कहना उचित था । (ग) महान कथाकार यशपाल द्वारा रचित कहानी 'दुःख का अधिकार' मनुष्यों के बीच में व्याप्त भेदभाव के चरम स्वरूप को स्पष्ट करती है। कहानी का केंद्रीय भाव इस सत्य को व्यक्त करता है कि एक निर्धन व्यक्ति को अपने दुःख से एकांतिक रूप से दुःखी होने तथा उससे बाहर निकलने का भी अवसर प्राप्त नहीं है। वह दुःख की चरम अवस्था में भी समाज के दूसरे लोगों के नियंत्रण में	(कोई दो) (3×2=6)	पृ-32 पृ-38 पृ-9

	रहता है। उसकी आर्थिक बेबसी उसे अपनी भावनाओं को व्यक्त भी नहीं करने देती । दूसरी ओर, एक धनी व्यक्ति अपने दुःख का भरपूर प्रदर्शन करता है। संभ्रांत महिला को आर्थिक समस्या नहीं है, इसलिए वह अपने पुत्र की मृत्यु का शोक स्पष्ट रूप से प्रदर्शित कर रही है, जबकि भगवाना की माँ के सामने भूखे बच्चों एवं बीमार बहू के भरण पोषण का भार है, इसलिए वह चाहकर एकांत में रो नहीं पाती। उसकी सहायता करने की जगह लोग उसे ताने मार रहे हैं, क्योंकि वह गरीब है। जवान बेटे की मृत्यु के बाद उसे लोग पहले से भी अधिक तिरस्कृत दृष्टि से देखते हैं। समाज में व्याप्त असमानता जीवन के चरम दुःख को अभिव्यक्त करने में भी स्पष्ट रूप से दिखती है । लगता है कि निर्धन व्यक्ति को शोक मनाने का भी अधिकार नहीं है।		
14.	(क) गीत और अगीत में सूक्ष्म अंतर होता है। अपना सुख, दुःख या उल्लास सस्वर प्रकट करना 'गीत' कहलाता है, परंतु 'अगीत' में गीत के सभी भाव समाहित तो होते हैं, लेकिन वे मुखर रूप से सामने न आकर अंदर मन में अनुभव किए जाते हैं। ये ही अनुभूतियाँ सघन होकर गीत के रूप में निकलती हैं। जिसके पास इन्हें कह पाने की क्षमता होती है, वह गीत रचता रहता है, जबकि दुःख, सुख, उल्लास, क्रोध, भय, करुणा आदि मनोभावों को सिर्फ़ अंतस में, मन में ही रखना अगीत कहलाता है। दोनों में सूक्ष्म अंतर कहने और न कहने का है। जो व्यक्त हो गया, उसे 'गीत' और जो अव्यक्त रह गया उसे 'अगीत' कहा गया है । (ख) रैदास ने अपने पद में प्रभु की इन विशेषताओं को बताया है कि- • वे केवल झूठी प्रशंसा या स्तुति नहीं चाहते। • वे जाति प्रथा या छुआछूत को महत्त्व नहीं देते।वे समदर्शी हैं। • उनके लिए भावना प्रधान है। वे भक्त वत्सल हैं । • दीन-दुखियों व शोषित लोगों की विशेष रूप से सहायता करते हैं । • वे गरीबों का उद्धार करते हैं । (ग) रहीम ने सागर को धन्य इसलिए नहीं कहा क्योंकि उसका जल खारा होता है। वह किसीकी प्यास नहीं बुझा पाता । उसकी तुलना में पंक का जल धन्य होता है क्योंकि उसे पीकर कीट-पतंगें अपनी प्यास बुझा लेते हैं।	(कोई दो) (3×2=6)	पृ-100 पृ-74 पृ-80
15.	(क) लेखिका ने देखा कि गमले और दीवार की संधि के बीच एक छोटा-सा गिलहरी का बच्चा पड़ा है। शायद यह घोंसले से गिर गया होगा। इसे कौए अपना भोजन बनाने के लिए तत्पर थे कि लेखिका	(कोई दो) (3×2=6)	संचयन पृ-1 पृ-2

	की दृष्टि उस पर पड़ गई। उन्होंने उस बच्चे को उठाकर उसके घावों पर पेंसिलीन लगाई और पानी पिलाया। इससे वह दो-तीन दिन में स्वस्थ हो गया। लेखिका के इस कार्य में हमें- •जीव जंतुओं के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा मिलती है। •जीव-जंतुओं की रक्षा करने की सीख मिलती है। •जीव-जंतुओं को न सताने तथा उन्हें प्रताड़ित न करने की प्रेरणा मिलती है। (ख) बालक प्रायः शरारती होते हैं। उन्हें छेड़छाड़ करने में आनंद मिलता है। यदि उनकी छेड़छाड़ से कोई हलचल होती हो तो वे उसमें बहुत मज़ा लेते हैं। साँप को व्यर्थ में ही फफकारते देखकर वे बड़े खुश होते हैं।बालकों को प्रकृति के स्वच्छंद वातावरण में विहार करने में भी असीम आनंद मिलता है। वे झरबेरी के बेर तोड़-तोड़कर खाते हैं तथा मन में आनंदित होते हैं। वे आम के पेड़ पर चढ़कर डंडे से आम तोड़कर खाने में खूब आनंद लेते हैं। (ग) मनुष्य किसी कठिन काम को करने के लिए अपनी बुद्धि से योजनाएँ तो बनाता है, किंतु समस्याओं का वास्तविक सामना होते ही ये योजनाएँ धरी की धरी रह जाती हैं। तब उसे यथार्थ स्थिति को देखकर काम करना पड़ता है। इस पाठ में लेखक ने सोचा था कि कुएँ में उतरकर वह डंडे से साँप को मार देगा और चिड़ियाँ उठा लेगा, परंतु कुएँ का कम व्यास देखकर उसे लगा कि यहाँ तो डंडा चलाया ही नहीं जा सकता है। उसने जब साँप को फन फैलाए अपनी प्रतीक्षा करते पाया तो साँप को मारने की योजना उसे एकदम मिथ्या और उल्टी लगने लगी।	विद्यार्थी स्वयं उत्तर लिखेंगे ।	पृ-9 पृ-14
16	<u>अनुच्छेद</u> विषयवस्तु - 3 अंक भाषाई शुद्धता - 1 अंक प्रस्तुति - 2 अंक	(6×1=6)	लेखन
17	पत्र लेखन- आरंभ व अंत की औपचारिकताएँ - 2 अंक विषयवस्तु - 3 अंक भाषाई शुद्धता - 1 अंक	(6×1=6)	लेखन
18	चित्र वर्णन - मौलिकता - 2 अंक विषयवस्तु - 2 अंक भाषाई शुद्धता - 1 अंक	(1×5=5)	लेखन

19	संवाद लेखन - अभिव्यक्ति - 1 अंक विषयवस्तु - 3 अंक भाषाई शुद्धता - 1 अंक	(1×5=5)	लेखन